कल अस्तित्व संकट में था
आज फल-फूल रहा है
दिल्ली के मूल निवासी पक्षियों के अस्तित्व की रक्षा
दिल्ली अपने विशाल वन क्षेत्र और बाग–बागीचों के कारण पक्षियों के लिए नैरोबी के बाद, दुनिया का दूसरा सबसे पसंदीदा बसेरा है, यह आश्चर्यजनक, परंतु सच है! अरावली और यमुना जैव–वैविध्य पार्क भी दिल्ली के अनूठे प्राकृतिक जीवन के विशाल आंगन हैं। यहाँ कई ऐसे पेड़–पौधों और जीव–जंतुओं को नई जिन्दगी मिली है जिनका अस्तित्व खतरे में था। एक बार फिर कई विलुप्तप्राय प्रजातियों के जीवन में बहार आई है। दिल्ली की जैव विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखने के प्रति दिल्ली विकास प्राधिकरण की यह प्रतिबद्धता इसी तरह बनी रहे ....
DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
दिल्ली विकास प्राधिकरण
दिल्ली विकास प्राधिकरण
http://www.dda.org.in
दिल्ली की देखभाल हमारी प्राथमिकता
CENTUM